

## की की सीफता करा मैं

गुरु रविदास जी दा शुक्र मनाइये,  
उठ के सवेरे पहला शीश झुकाइये,

मिल दा नसीबा नाल इहो जेहा सतगुरु जो मालिक है जग दा,  
की की सीफता करा मैं ओहदे जेहा होर न कोई लगदा,  
की की सीफता करा मैं

जो भी लेंदा नाम ओह ता खुशियां ही पावे,  
जावे ना निराश जेहड़ा गुरु दर आवे,  
रंगया जावे जो भी गुरा दे रंगा विच,  
सूखा वाला मीह ओहते वग दा,  
की की सीफता करा मैं....

गुरु किरपा बिना कोई भी नहीं तर दा,  
एथे चाहे ओथे गुरा बिना नहियो सरदा,  
सारी गल मुकदी है आके विश्वास उते,  
प्यार जावे ओहदा साहनु ठग दा,  
की की सीफता करा मैं

बड़ेया ही मौजा हूँ जसम नु ला गये,  
दुःख ते कलेश सारे पला च मिटा गये  
हथ जोड़ करा अरदास तेरे आगे,  
खुशियां दा दीवा रहे जगदा,  
की की सीफता करा मैं

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10874/title/ki-ki-sifata-kra-main-ohde-jeha-hor-na-koi-lgda>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |